

एआईसीटीई ने टेक्नीकल यूनिवर्सिटीज को दिया मॉडल कॉरिकुलम इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स को अब सोशल वर्क के मिलेंगे क्रेडिट्स

NEW INITIATIVE...

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ♦ यदि आप एक इंजीनियरिंग स्टूडेंट हैं और हॉबी के तौर पर कई एक्टिविटीज से जुड़े हैं। सोशल वर्क से लेकर एनसीसी, एनएसएस और गांवों में जाकर लोगों के लिए कुछ करना चाहते हैं तो इंजीनियरिंग का नया कॉरिकुलम आपको इसके एक्स्ट्रा मार्क्स देगा। ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्नीकल एजुकेशन (एआईसीटीई) ने सभी स्टेट टेक्नीकल यूनिवर्सिटीज को मॉडल कॉरिकुलम हैडओवर कर दिया है। नए कॉरिकुलम को जुलाई से शुरू होने वाले सेशन से लागू करना होगा। राजस्थान टेक्नीकल यूनिवर्सिटी (आरटीयू) ने भी इसके लिए तैयारी करना शुरू कर दिया है।

एक हजार घंटे का पैकेज, 14 क्रेडिट मिलेंगे

एआईसीटीई के वाइस चेयरमैन प्रो.एम.पी.पूनिया के अनुसार, स्टूडेंट्स सोशल वर्क या एक्टिविटीज समर या विंटर ब्रेक में करेंगे। इसके लिए एक हजार घंटे का पैकेज डॉक्यूमेंट किया जा रहा है। स्टूडेंट्स को एक्टिविटीज या सोशल वर्क के लिए 14 क्रेडिट दिए जाएंगे। नए कॉरिकुलम में स्टूडेंट्स को 220 के बजाए महज 160 क्रेडिट में इंजीनियरिंग पूरी करनी होगी। एआईसीटीई का मानना है कि इससे स्टूडेंट्स पर अतिरिक्त भार कम होगा। वहीं नए कॉरिकुलम में प्रैक्टिकल पार्ट भी बढ़ाया गया है।



100 टॉपर्स को स्कॉलरशिप

अब एमटेक और पीएचडी लेवल पर पढाई करने वाले 100 मैरिटोरियस स्टूडेंट्स को एआईसीटीई की ओर से फाइनेंशियल हैल्प की जाएगी। इन स्टूडेंट्स के लिए प्रति माह 70 हजार रुपए की वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। यह वित्तीय सहायता पहले से मौजूद स्कॉलरशिप से अलग दी जाएगी। हालांकि अभी इसके क्राइटेरिया पर काम किया जा रहा है।

नए कॉरिकुलम में
स्टूडेंट्स को 220 के
बजाए 160 क्रेडिट
में इंजीनियरिंग पूरी
करनी होगी।

फर्स्ट ईयर से ही ट्रेनिंग

खास बात यह है कि अब स्टूडेंट्स को चारों साल इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग करनी होगी। उन्हें फर्स्ट से लेकर थर्ड ईयर तक दो-दो महीने की और फाइनल ईयर के लास्ट सेमेस्टर में छह महीने की इंटर्नशिप जरूरी होगी। फर्स्ट ईयर में स्टूडेंट्स कॉलेज बेस्ड प्रोजेक्ट्स बना सकते हैं। जबकि सेकंड, थर्ड ईयर इंडस्ट्रियल बेस्ड ट्रेनिंग और फोर्थ ईयर प्रोजेक्ट इंडस्ट्री या कॉलेज बेस्ड कर सकते हैं।

मॉडल कॉरिकुलम का उद्देश्य टेक्नीकल यूनिवर्सिटीज में यूनिफॉर्मिटी के अलावा स्टूडेंट्स को बेहतर इंजीनियर बनाना है। स्टूडेंट्स का भार कम करने के लिए इंजीनियरिंग में महज 160 क्रेडिट्स ही रखे गए हैं।

प्रो.एम.पी.पूनिया,
वाइस चेयरमैन, एआईसीटीई

बढ़ी फीस का एरियर देगी काउंसिल

रविवार को एसकेआईटी में कश्मीरी स्टूडेंट्स के साथ संवाद में काउंसिल के डायरेक्टर, पीएमएसएसएस डॉ.मनप्रीत सिंह मन्ना ने कहा कि स्टूडेंट्स को यदि बढ़ी हुई फीस चार्ज की जाती है तो उसका डॉक्यूमेंट अपलोड करें, उन्हें इसका एरियर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे स्टूडेंट्स की सप्लीमेंट्री आती है और कॉलेज उन्हें नियमित रखता है तब उनकी स्कॉलरशिप बंद नहीं की जाएगी। उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि वे कॉलेज को अपना पासवर्ड या चैकबुक न दें। फर्जीवाड़ा करने वाले दो कॉलेजों की सीड बंद कर दी गई है।

‘एआईसीटीई से कॉरिकुलम मिल गया है। इसे रिव्यू किया जा रहा है। इसी सेशन से इसे लागू किया जाना तय है।’

प्रो. राजीव गुप्ता,
प्रो वीसी, आरटीयू